मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 18 अप्रैल 2018

जामिया मिल्लिया के पूर्व छात्र को पत्रकारिता का प्रतिष्ठित पुलित्ज़र पुरस्कार

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर के पूर्व छात्र दानिश सिद्दीक़ी को पत्रकारिता की दुनिया के अमेरिका के प्रतिष्ठित पुलित्ज़र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

1917 में स्थापित यह पुरस्कार पत्रकारिता, साहित्य, संगीत रचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए हर साल दिया जाता है।

2017 के लिए यह पुरस्कार रायटर्स के फोटोग्राफर्स की टीम को दिया गया है, जिसमें दानिश और अदनान आबदी शामिल हैं।

दानिश ने बताया कि म्यांमार में हिंसा के चलते वहां से पलायन कर बांग्लादेश आ रहे रोहिंग्या शरणार्थियों के फोटोग्राफ के लिए उनकी टीम को यह पुरस्कार मिला है। रोहिंग्या त्रासदी के फोटो लेने के लिए दानिश और उनकी टीम सितंबर, 2017 में तीन हफ्ते से बांग्लादेश के समंद्री किनारे, बंगाल की खाड़ी के पास टोह लगाए हुए थी। उन्हें खाड़ी के उस पार विस्फोट और धुआं उठते दिखा और वे समझ गए कि शरणार्थी किनारे आने का प्रयास कर रहे हैं।

इस टीम ने सबसे पहले नदी के किनारे की ओर बढ़ती, थकान, बेबसी और बदहवासी में डूबी एक महिला को देखा और उसके फोटो लिए। इसके बाद खौफ़ज़दा, बदहाल शरणार्थियों के जत्थे के जत्थे, जल्दी जल्दी नदी पार करने लगे, जिनमें ज्यादातर बच्चे, बूढ़े और महिलाएं थीं।

दानिश और उनकी टीम को इस भयावह मंज़र और मानव त्रासदी को फोटो के ज़रिए दुनिया तक पंहुचाने के लिए पुरस्कृत किया गया है।

जेएमआई के वाइस चांसरल प्रो तलत अहमद ने विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र द्वारा इस प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने पर खुशी जताई।

इस विश्वविद्यालय का एजेके मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर देश के मास कॉम संस्थानों में पहले नंबर पर है।

प्रोफेसर साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर